पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री ने जनपद बिजनौर में पाकिस्तान से विस्थापित 1,635 परिवारों एवं पूर्व सैनिकों/लीजधारकों को भूमिधरी अधिकार पत्र वितरित किए

कॉमन सर्विस सेन्टर एवं विदुर प्रेरणा कैफे का उद्घाटन किया

आज का दिन हमारे लिए भावुकतापूर्ण तथा आनन्द का क्षण, आज 1,645 विस्थापित परिवारों की चौथी पीढ़ी को उनकी जमीन का मालिकाना अधिकार दिया गया, शेष विस्थापित परिवारों को अगले चरण में मालिकाना अधिकार दिया जाएगा : मुख्यमंत्री

बिजनौर 'धर्म एव हतो हन्ति, धर्मो रक्षति रक्षितः' का उद्घोष करने वाले महाभारत के महात्मा विदुर की पावन धरा

बिजनौर समृद्धशाली कारीगरों, किसानों, ऊर्जावान नौजवानों और अपने नवाचार, उद्यमियों, व्यापारियों तथा समाजसेवियों के लिए जाना जाता

गंगा एक्सप्रेस–वे से बिजनौर को जोड़ने की तैयारी की जा रही

यहां कॉमन सर्विस सेण्टर का उद्घाटन किया गया, जहां कारीगरों को उन्नत तकनीक, डिजाइन और मशीनों के उपयोग के बारे में जानकारी दी जायेगी

हमें भारत विरोधी, गरीब विरोधी तथा विभाजनकारी मानसिकता को समाप्त करने के लिए एकजुट होकर लड़ना पड़ेगा, तभी वांछित परिणाम आएंगे

प्रदेश में युवाओं के लिए नौकरी के अवसर उपलब्ध, बिजनौर से अनेक युवा उ0प्र0 पुलिस में भर्ती हुए

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विगत 12 वर्षों में जाति, क्षेत्र, भाषा, मत व मजहब के भेदभाव के बिना शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक तबके को प्राप्त हुआ

सरकार पश्चिमी उ0प्र0 से जुड़ी हुई चीनी मिलों के विस्तारीकरण और आधुनिकीकरण के कार्यक्रम को अपने हाथों में लेने जा रही

आज बिजनौर में महात्मा विदुर के नाम पर मेडिकल कॉलेज

लखनऊ : 01 जून, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए भावुकतापूर्ण तथा आनन्द का क्षण है। वर्ष दर वर्ष तथा दशक दर दशक बीतने के बाद आज 1,645 विस्थापित परिवारों की चौथी पीढ़ी को उनकी जमीन का मालिकाना अधिकार दिया जा रहा है। शेष विस्थापित परिवारों को अगले चरण में मालिकाना अधिकार दिया जाएगा। इसके माध्यम से 1,645 परिवारों के लगभग 08 से 10 हजार की आबादी लाभान्वित होने जा रही

है। इसमें पाकिस्तान से विस्थापित वह लोग हैं, जिन्हें आजादी के पहले और बाद पाकिस्तान से जबरन निकाल दिया गया।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद बिजनौर में पाकिस्तान से विस्थापित 1,635 परिवारों एवं पूर्व सैनिकों/लीजधारकों को भूमिधरी अधिकार पत्र वितरण करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आवंटन पत्र और चेक वितरित किये। मुख्यमंत्री जी ने कॉमन सर्विस सेन्टर एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित विदुर प्रेरणा कैफे का उद्घाटन किया। इससे पूर्व, उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर लगायी गयी विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज का समारोह एक संदेश देने का कार्यक्रम है। यहां पर पूर्व सैनिकों को सरकार ने लैण्ड आवंटित की थी, लेकिन लैण्ड की लीज डीड उनके मालिकाना अधिकार का हिस्सा नहीं बन पायी। विस्थापितों को भूमि आवंटन कार्यक्रम इसलिए सम्भव हो पाया, क्योंकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तथा गृह मंत्री श्री अमित शाह जी ने देश में 'सिटीजनशिप अमेण्डमेन्ट एक्ट' पास करके सुनिश्चित किया कि भारत में 05 वर्ष से अधिक समय व्यतीत कर चुके पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान से आने वाले हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी व ईसाई विस्थापितों को भारत की नागरिकता दी जाएगी। विधायक कुंवर सुशान्त सिंह ने अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर पाकिस्तान से आये हजारों विस्थापित हिन्दू व सिख परिवारों को बसाने का कार्य किया है, जिनकी पुश्तैनी सम्पत्ति पर पाकिस्तान की मजहबी कट्टरता के कारण वर्ष 1946–47 व 1948 में जबरन कब्जा कर लिया गया था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बिजनौर 'धर्म एव हतो हन्ति, धर्मो रक्षति रक्षितः' का उद्घोष करने वाले महाभारत के महात्मा विदुर की पावन धरा है। महाभारत हमें प्रेरणा देता है कि जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है। जो अपने स्वार्थ के लिए धर्म को नष्ट करता है, धर्म उसे नष्ट कर देता है। यह उद्घोषणा आज दुनिया में अक्षरशः सच साबित हो रही है। बिजनौर की पावन धरा भारत के इतिहास को गढ़ने वाली धरा है। इस धरा ने इतिहास को बनते तथा बिगड़ते हुए देखा है। यहां एक अलग ही आत्मीयता की अनुभूति होती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बिजनौर समृद्धशाली कारीगरों, किसानों, ऊर्जावान नौजवानों और अपने नवाचार, उद्यमियों, व्यापारियों तथा समाजसेवियों के लिए जाना जाता है। विकास

के पैमाने पर बिजनौर कभी नहीं पिछड़ेगा। जब यहां के लोग परिश्रम करते हैं, तब प्रदेश और देश का पेट भरता है। यहां बाढ़ से बचाव के बहुत सारे कार्य हुए हैं। शेष कार्य शीघ्र पूरे होंगे। आज बिजनौर में महात्मा विदुर के नाम पर मेडिकल कॉलेज है। हाई–वे का निर्माण हो रहा है। रेलवे की नई–नई सुविधाएं विकसित हो रही हैं। गंगा एक्सप्रेस–वे से इस जनपद को जोड़ने की तैयारी की जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश सिंह की स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि वह आज भले ही हमारे मध्य न हों, लेकिन उनकी स्मृतियों को जीवन्त बनाए रखते हुए यहां कॉमन सर्विस सेण्टर का उद्घाटन किया गया है, जहां कारीगरों को उन्नत तकनीक, डिजाइन और मशीनों के उपयोग के बारे में जानकारी दी जायेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'गाय हमारी माता है, जन्म जन्मान्तर का नाता है'। माँ और पुत्र के बीच कुछ भी घोषित करने की आवश्यकता नहीं होती। किसी पुत्र को माँ का सम्मान करने के लिए बताने की आवश्यकता नहीं होती। यह हमारे संस्कार हैं। जिस प्रकार माँ गंगा के बारे में किसी को बताने की आवश्यकता नहीं, उसी प्रकार गौमाता के बारे में भी बताने की आवश्यकता नहीं है। हम सभी माँ गंगा की आरती व पूजा करते हैं। स्वयं को गंगा पुत्र मानकर सम्मानित महसूस करते हैं। हमारे अनेक तीर्थ माँ गंगा के तट पर स्थित हैं। हमारे संस्कार माँ गंगा के तट पर सम्पन्न होते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शान्तिपूर्ण तरीके से पर्व और त्यौहार मनाना मुश्किल होता था। रामनवमी, शिवरात्रि, जन्माष्टमी, दुर्गा पूजा, कांवड़ यात्रा आदि सपने हो गए थे। बेटी व व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। हमें भारत विरोधी, गरीब विरोधी तथा विभाजनकारी मानसिकता को समाप्त करने के लिए एकजुट होकर लड़ना पड़ेगा, तभी वांछित परिणाम आएंगे। तब किसी भी हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई को विस्थापित नहीं होना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम सभी को ध्यान में रखना होगा कि अहिंसा और करुणा मानवता के भूषण हैं, लेकिन यदि सामने खर–दूषण हैं, तो शस्त्र उठाना होगा। भगवान श्रीकृष्ण ने भी कहा है कि 'परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्' अर्थात सज्जनों के लिए ही हम सज्जन बनें, दुर्जनों के लिए नहीं। भगवान श्रीराम ने भी यही किया। 'निसिचर हीन करहुँ महि, भुज उठाई पन कीन्ह' अर्थात भगवान श्रीराम का एक ही लक्ष्य था कि धरती को राक्षस विहीन कर देंगे, क्योंकि यह ऋषि–मुनियों, सामान्य नागरिकों, गरीबों, बहन और बेटियों

की इज्जत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इनसे लड़ना होगा। देश के खिलाफ द्रोह करने वाले लोगों के प्रति कठोरता व निर्ममता से लड़ने के लिए तैयार रहना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज प्रदेश में युवाओं के लिए नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं। बिजनौर से अनेक युवा उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती हुए। पहले भर्ती के नाम पर भाई–भतीजावाद तथा भ्रष्टाचार होता था। आज सरकारी भर्तियों में बिजनौर का नौजवान भी भर्ती होता है। कुछ लोग परीक्षा पास करके तथा कुछ लोग अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर स्पोर्ट्स में मेडल लाकर देश के गौरव को बढ़ाने का कार्य करते हैं। प्रदेश सरकार ऐसे लोगों को सीधे डिप्टी एस0पी0 और अन्य पदों पर नियुक्ति देती है। बिजनौर के नौजवान बड़े पैमाने पर इससे लाभान्वित हो रहे हैं। अब नौकरी में कोई कट और सिफारिश की आवश्यकता नहीं है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विगत 12 वर्षों में जाति, क्षेत्र, भाषा, मत व मजहब के भेदभाव के बिना शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक तबके को प्राप्त हुआ है। विकास पर बिजनौर का भी अधिकार है। सरकार द्वारा गरीबों को आवास उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। कारीगरों के सम्मान के लिए यहां पर कॉमन सर्विस सेन्टर स्थापित किए जा रहे हैं। आज यहां पर प्रत्येक क्षेत्र में कुछ न कुछ नया हो रहा है। यहां मण्डी के लिए भूमि आरक्षित कर दी गयी है। सरकार पैसा देने को तैयार है। प्रदेश में 400 रुपये प्रति कुन्तल की दर से गन्ना मूल्य का भुगतान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री तथा किसानों के मसीहा भारतरत्न चौधरी चरण सिंह जी की 125वीं जयंती कार्यक्रम के शुभारम्भ का अवसर है। इसे यादगार बनाने के लिए अनके कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। सरकार पश्चिमी उत्तर प्रदेश से जुड़ी हुई चीनी मिलों के विस्तारीकरण और आधुनिकीकरण के कार्यक्रम को अपने हाथों में लेने जा रही है।

कार्यक्रम को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी तथा राजस्व राज्य मंत्री श्री सुरेन्द्र दिलेर ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री कपिल देव अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Bijnor Visit-01 June, 2026